कॉलेज कोड:497

।। जय श्री राधे ।।

विद्ययाऽमृतमश्नुते

डॉ. स्वामी राधे चैतन्य मानव सेवा संस्थान द्वारा संचालित

डॉ. स्वामी राधे चैतन्य महाविद्यालय

बिलरा पटेहरा, रतेह चौराहा, हलिया, लालगंज, मिर्जापुर (उ.प्र.)

सम्बद्ध -महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी

प्रवेश आवेदन-फार्म एवं निर्देशिका

9826502690, 9005255500, 9956606565
Email: dr.srcdegreecollege4141@gmail.com
website- www.drsrcmahavidyalay.com

।। जय श्री काली ।।

।। राधे कन्हैया ।।

संरक्षक

परम पूज्य द्वादश पीठाधीश्वर
दण्डी स्वामी कालिकानंद जी महाराज

परम पूज्य
पं. श्री श्रीकान्त पाण्डेय जी

परम पूज्य
पं. श्री जगदीश प्रसाद पाण्डेय जी
(रईश चन्द्र)

सचिव
रजनीश उपाध्याय

व्यवस्थापक
सीताराम पाण्डेय

कोषाध्यक्ष
सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय

अध्यक्ष/प्रबंधक की कलम से...

शिक्षा से ही किसी राष्ट्र का सर्वागीण विकास सम्भव है। मानव जाति का बहुमुखी विकास भी शिक्षा के द्वारा ही हो पायेगा। इस कारण ही शिक्षण संस्थाएं जो सरस्वती मंदिर के रूप में जाने जाते है, मैं शैक्षणिक वातावरण का निर्माण भी अत्यंत आवश्यक है। विद्या मंदिरों में शिक्षा के उन्नयन पर विशेष बल दिया जाना समय की माँग है। क्योकि किसी भी सभ्य समाज का निर्माण इन्ही शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से हो सकता है।

इसी संकल्पना को लेकर बिलरा पटेहरा, रतेह चौराहा, हलिया, लालगंज, मिर्जापुर में उच्च शिक्षा के स्तरीय उन्नयन के क्रम में स्थापित डॉ. स्वामी राधे चैतन्य महाविद्यालय में स्नातक स्तर शिक्षा जैसे पाठ्यक्रम संचालित कर अपने क्षेत्र के छात्र/छात्राओं को वर्तमान समय के साथ चलने योग्य बनाने का हमारा संकल्प है। वर्तमान में महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर कला संकाय की उच्च कोटि की शिक्षा प्रदान करते हुए जनपद में डॉ. स्वामी राधे चैतन्य महाविद्यालय अभी अपने बाल्यावस्था में है, फिर भी उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर होकर परिपक्व हो रहा है।

हमारा यह भी संकल्प है कि धनाभाव के कारण कोई भी विद्यार्थी उच्च शिक्षा से वंचित न रहने पाये। इन संकल्पों को पूर्ण करने के लिए आप सबके सतत् सहयोग से हम निरंतर प्रयासरत है।

अभिवादन के साथ
आपका अपना
डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज
अध्यक्ष/प्रबंधक

महाविद्यालयीय विवरणिका

यह विवरणिका छात्र/छात्राओं को इस महाविद्यालय की कार्यविधि, नियमों एवं अनुशासन सम्बंधी परिनियमों से परिचित होने के लिए प्रकाशित करायी गयी है।प्रवेश लेने वाले छात्र/छात्राओं को इस विवरणिका का ध्यानपूर्वक अध्ययन करके महाविद्यालय के अनुशासन तथा अध्ययन एवं अध्यापन सम्बंधी नियमों से भली भाँति परिचित होना आवश्यक है। यह विवरणिका महाविद्यालय की आंतरिक व्यवस्था की निर्देशिका मात्र है विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियमावली के आधीन निहित है।

महाविद्यालय की स्थापना

अपने अनूठे भौगोलिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक गौरव के लिए विश्वप्रसिद्ध राष्ट्र के हृदय स्थल पूर्वी उत्तर प्रदेश में पुण्य सलिला पतित पावनी भगीरथी माँ गंगा की अमृतमयी धाराओं से पवित्र, देवकी नंदन भगवान श्री कृष्ण की भगिनी महामाया अष्टभुजा, आदिशक्ति महाकाली, विश्वमोहिनी जगदम्बा माँ विंध्यवासिनी, माँ भगवती शीतला की गोद में बसा बिलरा पटेहरा, रतेह चौराहा, हलिया, लालगंज, मिर्जापुर, कोलाहल से मुक्त खुले, शान्त एवं स्वच्छ वातावरण में एक विशाल परिसर के अन्तर्गत डॉ. स्वामी राधे चैतन्य मानव सेवा संस्थान द्वारा वर्ष 2021 में डॉ. स्वामी राधे चैतन्य महाविद्यालय की स्थापना की गयी। यह महाविद्यालय महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ वाराणसी से सम्बंद्ध है।

महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर कला संकाय में-

(1) हिन्दी (2) संस्कृत (3) अंग्रेजी (4) समाज शास्त्र (5) राजनीति शास्त्र (6) गृह विज्ञान (7) प्राचीन इतिहास विषयों, के पाठ्यक्रम संचालित है।

महाविद्यालय की प्रबंधकीय व्यवस्था विधिवत गठित प्रबंध समिति द्वारा संचालित है। प्रबंध समिति के अध्यक्ष-अंतर्राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पीठाधीश्वर महंत डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज, सचिव- रजनीश उपाध्याय जी, कोषाध्यक्ष- सत्येन्द्र पाण्डेय जी, व्यवस्थापक- सीताराम पाण्डेय जी है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

स्नातक स्तर पर कला संकायः-

विश्वविद्यालयीय नियमानुसार कला संकाय में संचालित बी.ए. प्रथम वर्ष एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष में छात्र/छात्राओं को तीन ऐच्छिक विषयों को पढ़ना होगा। बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र/छात्राओं को केवल दो विषय ही अध्ययन के लिए चुने जायेगे। ये दो विषय उन्ही तीन विष्ज्ञयों में से होगे जिन्हें बी0ए0 द्वितीय वर्ष में अध्ययन किया गया है बी0ए0 प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में प्रत्येक विषय की परीक्षा दो प्रश्नपत्रों कुल 200 अंको की तथा बी0ए0 तृतीय वर्ष में प्रत्येक विषय की परीक्षा तीन प्रश्नपत्रों में कुल 300 अंको की होगी।

स्नातक कला संकाय बी.ए. प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु छात्र/छात्राओं निम्नलिखित विषय समूहों में से कोई तीन विषय चयन कर सकते है।

(1) हिन्दी (2) संस्कृत (3) अंग्रेजी (4) समाज शास्त्र
(5) राजनीति शास्त्र (6) गृह विज्ञान (7) प्राचीन इतिहास

प्रवेश एवं नामांकन

प्रवेश आवेदन पत्र छात्र/छात्रा द्वारा स्वयं भर कर निर्धारित तिथि तक कार्यालय में जमा करना होगा। प्रवेश के समय टी.सी. माइग्रेशन, चरित्र प्रमाण पत्र की मूल प्रति तथा उत्तीर्ण योग्यता प्रदायी परीक्षा के अंक पत्र की फोटो एवं पासपोर्ट साईज फोटो आवेदन फार्म के साथ लाना अनिवार्य होगा। प्रवेश के समय अंक पत्र की मूल प्रति से सत्यापन अनिवार्य होगा।

विषय परिवर्तनः-

स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेते समय विषय का चयन सोच समझ कर करें। प्रवेश के बाद विषय परिवर्तन सम्भव नही होगा।

प्रवेश सम्बंधी निर्देशः-

(1) बी.ए. प्रथम वर्ष में प्रवेश फार्म प्राप्त करने एवं जमा करने कि तिथि ....से ....तक समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक है।

(2) प्रवेश कार्य 11 जुलाई से 31 जुलाई तक होगा।

(3) कक्षाएँ 11 अगस्त से प्रारम्भ होगी।

(4) प्रत्येक छात्र/छात्रा निर्धारित यूनिफार्म में अपने परिचय पत्र के साथ कक्षा में बैठ सकेंगे।

परीक्षा फार्मः-

विश्वविद्यालय द्वारा तिथि निर्धारण होने के बाद वार्षिक परीक्षा फार्म ऑन लाईन भरे जायेगे। ऑन लाईन परीक्षा फार्म भरने के बाद छात्र/छात्रा फार्म की विश्वविद्यालय प्रति एवं कॉलेज प्रति महाविद्यालय में जमा करके छात्र प्रति पर प्राप्ति कराकर अपने पास सुरक्षित रखेगे। इसी के आधार पर उन्हे प्रवेश निर्गत होगा।

अर्द्धवार्षिक परीक्षाः-

वार्षिक परीक्षा की तैयारी हेतु महाविद्यालय द्वारा दिसम्बर माह के दूसरे एवं तीसरे सप्ताह में छात्र/छात्राओं के प्रत्येक विषय की अर्द्धवार्षिक परीक्षा करायी जायेगी। इस परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र/छात्राओं को ही 75% अनिवार्य उपस्थिति में नियमानुसार छूट प्राप्त होगी। अन्यथा प्रवेश पत्र निर्गत नही किया जायेगा। छात्र/छात्राओं को कक्षा में उनकी उपस्थिति की सूचना समय समय पर सूचना पटल पर सूचिबद्ध चस्पा की जायेगी। अभिभावकों से भी यह अपेक्षा की जाती है कि वे समय -समय पर अपने पाल्यों के अध्ययन एवं कक्षा में उपस्थिति की जानकारी प्राप्त करते रहे।

महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाएँ

1. पुस्तकालय एवं वाचनालय :-

महाविद्यालय में पुस्तकालय एवं वाचनालय की सुविधा प्राप्त है। छात्र/छात्रा को पुस्तकालय शुल्क रु 300/- वार्षिक जमा करना होगा। अध्ययन पूर्ण हो जाने के बाद 6 माह के अंदर अदेयता प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर जमा शुल्क की आधी राशि वापस कर दी जायेगी। प्रत्येक छात्र/छात्रा को वर्ष में दो पुस्तकें निर्गत होगी परंतु प्रवेश पत्र लेते समय पुस्तके जमा कराना अनिवार्य होगा। पाठ्य पुस्तको के अतिरिक्त वाचनालय में समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं भी उपलब्ध रहेगी।

2. गाडी स्टैन्ड :-

महाविद्यालय में छात्र/छात्राओं के वाहन की सुरक्षा हेतु एक वाहन स्टैन्ड की सुविधा उपलब्ध है। वाहन स्टैन्ड में साइकिल/बाईक आदि मजबूत ताला लगा कर ही खड़ा करे। वाहन स्टैन्ड से अलग किसी अन्यत्र स्थान पर वाहन खड़ा करने पर चोरी होने की दशा में महाविद्यालय जिम्मेदार नही होगा। वाहन स्टैन्ड शुल्क 100/- रूपये वार्षिक जमा करना होगा।

3. खेल-कूद :-

महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है सांस्कृतिक धार्मिक समारोह का भी आयोजन किया जाता है।

4. छात्रवृत्ति :-

उ.प्र. शासन के निर्देशानुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/सामान्य वर्ग/अल्प संख्यक वर्ग एवं विकलांग छात्र/छात्राओं को समाज कल्याण विभाग द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी। यह छात्रवृत्ति शासन द्वारा छात्रों के बैक खातों में सीधे जमा की जाती है।

5. जनरेटर/इनवर्टर :-

बिजली की समस्या से निजात पाने के लिए महाविद्यालय में जनरेटर एवं इनवर्टर की सुविधा प्राप्त है। विद्युत पंखा एवं जनरेटर परिचालन शुल्क रु 100/- वार्षिक अनिवार्य है।

6. धरणी पत्रिका :-

महाविद्यालय के वार्षिक क्रिया कलापों को दर्शाने के लिए समय-समय धरणी पत्रिका का प्रकाशन किया जायेगा।

महाविद्यालय के अनुशासनिक नियम एवं निर्देश

(ड्रेस कोड)	छात्रों के लिये	-	गुलाबी शर्ट, काला पेन्ट, काली टाई
	छात्राओं के लिये	-	गुलाबी सूट, सफेद सलवार एवं दुपट्टा

(1) महाविद्यालय में अध्यनरत प्रत्येक छात्र/छात्रा को निर्धारित यूनिफार्म में आना अनिवार्य है।

(2) महाविद्यलाय खुलने के निर्धारित समय के बाद मुख्य गेट बंद कर दिया जायेगा।

(3) महाविद्यलाय में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र/छात्राओं को अपना परिचय पत्र साथ रखना अनिवार्य है। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा परिचय-पत्र मांगने पर दिखना अनिवार्य होगा।

(4) परिचय-पत्र खो जोने या नष्ट हो जाने पर दूसरा परिचय पत्र रु 100/- शुल्क जमा करने के बाद मुख्य नियन्ता के आदेश से निर्गत होगा।

(5) किसी दूसरे छात्र/छात्रा के परिचय पत्र का प्रयोग दण्डनीय अपराध होगा।

(6) महाविद्यालय परिसर में साइकिल/बाईक ताला लगाकर साइकिल स्टैन्ड के अंदर रखना होगा। किसी अन्यत्र स्थान पर बिना टोकन के रखने पर गायब होने की स्थिति में

महाविद्यालय प्रशासन जिम्मेदार नहीं होगा।

(7) महाविद्यालय के बाहर साइकिल/बाईक खड़ा करना दण्डनीय है पकडे जाने पर रु 50/- का अर्थदण्ड देना पड़ेगा।

(8) महाविद्यालय भवन के अंदर अध्ययन कक्ष के सामने बरामदा या गैलरी में अनावश्यक भीड़ लगाना समूह में अमर्यादित ढंग से घूमना या शोर करना अनुशासन हीनता माना जायेगा। ऐसे अनुशासनहीन आचरण करने वाले छात्र/छात्राओं को महाविद्यालय से निष्कासित किया जा सकता है।

(9) महाविद्यालय परिसर में धूम्रपान करना, रैगिंग में भाग लेना या छात्राओं से अभद्र आचरण करना न्यायालय के द्वारा दण्डनीय अपराध है।

(10) छात्र/छात्राओं द्वारा अदेयता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्रवेश पत्र, अंक पत्र एवं टी.सी. निर्गत होगी।

(11) कार्यालय से सम्बंन्धित कार्य कार्यालय काउन्टर से लाईन में खड़े होकर ही सम्पादित करावें।

(12) छात्राएं कक्षा खाली रहने पर कामन रुम में ही बैठे।

(13) अपने निर्धारित विषय की कक्षा के अतिरिक्त किसी दूसरे विषय की कक्षा में बैठना अनुशासन हीनता माना जायेगा।

(14) महाविद्यालय में अनुशासन बनाये रखने के लिए मुख्य नियन्ता/सहायक नियन्ता होगे। अनुशासन सम्बंधी सभी मामलों में नियन्ता मण्डल का प्राचार्य एवं मैनेजर द्वारा अनुमोदित निर्णय मान्य होगा।

(15) प्रवेशार्थी एवं उनसे सम्बंधित अभिभावक से यह अपेक्षा की जाती है कि प्रवेश आवेदन पत्र भरने से पूर्व इस निर्देश पुस्तिका को भली-भाँति पढ़कर महाविद्यालय एवं प्रवेश प्रक्रिया के बारे में पूर्ण परिचित हो जाये।

(16) इस निर्देश पुस्तिका में निर्दिष्ट नियमों का पालन करना प्रत्येक छात्र/छात्रा के लिए अति आवश्यक है।

(17) छात्र/छात्राओं को सभी प्रकार के शुल्को का भुगतान प्रारम्भ में ही करना होगा। चाहे प्रवेश विलम्ब से ही हो।

(18) किसी भी प्रकार के भुगतान की रसीद छात्र/छात्रा अवश्य प्राप्त करें।

(19) कॉलेज शुल्क जमा होने के बाद किसी भी परिस्थिति में वापिस नही किया जायेगा।

(20) शुल्क जमा करने की रसीद अपने पास सम्भालकर रखें ताकि आवश्यता पड़ने पर महाविद्यालय में प्रस्तुत कर सके।

(21) सभी छात्र/छात्रा अपने शुल्क कार्यालय काउंटर में ही जमा करें।

डॉ. स्वामी राधे चैतन्य महाविद्यालय का लोकार्पण करते हुए परम पूज्य जगत्गुरू नरसिंह पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी श्यामदेवाचार्य जी महाराज, डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज, स्वामी रंजीतानंद जी, आचार्य अनुपदेव जी, विधायक श्री राहुल प्रकाश कोल जी।

महाविद्यालय उद्घाटन समारोह में सम्मिलित हुये प्रयागराज हाईकोर्ट के जस्टिस श्री विवेक सिंह जी पूज्य जगत् गुरू जी से एवं डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज से आशिर्वाद लेते हुए।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के कुलपति डॉ. टी. एन. सिंह जी के साथ डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज, राजेन्द्र दुबे जी एवं रजनीश उपाध्याय जी।

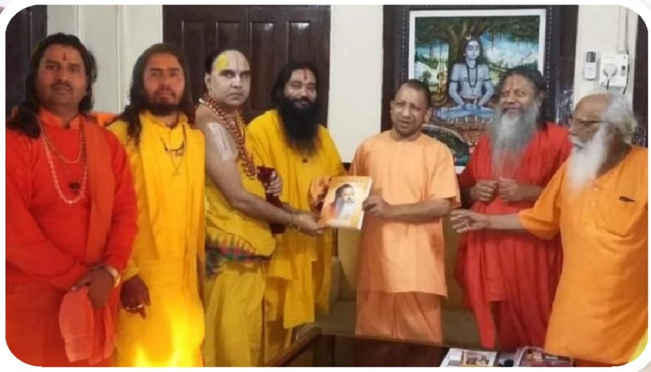

मुख्यमंत्री उ.प्र. शासन गोरक्ष पीठाधीश्वर महंत योगी आदित्य नाथ जी, पूज्य जगत्गुरू डॉ. स्वामी श्यामदेवाचार्य जी महाराज, पूज्य जगत्गुरू स्वामी राघवाचार्य जी महाराज, पूज्य डॉ. स्वामी नरसिंहदास जी, पूज्य स्वामी संतोषदास जी (सत्तू बाबा) साथ में पूज्य डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज।

पूज्य गुरूदेव दण्डी स्वामी कालीकानंद जी महाराज, डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज से आशिर्वाद लेते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ जी का सम्मान करते हुए परम पूज्य जगत्गुरू नरसिंह पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी श्यामदेवाचार्य जी महाराज, पूज्य डॉ. स्वामी नरसिंहदास जी महाराज, पूज्य डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी साथ में पूर्व वित्त मंत्री एवं विधायक पं. तरूण भनोट जी, पूर्व मंत्री एवं विधायक लखन घनघौरिया जी, विधायक विनय सक्सेना जी एवं जन प्रतिनिधि।

परम पूज्य दण्डी स्वामी कालकानंद सरस्वती जी महाराज, पूर्व कैबिनेट मंत्री उत्तराखण्ड एवं म.प्र. परम पूज्य ब्रम्हचारी सुबुद्धानंद जी महाराज, पूज्य डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज से आशिर्वाद लेते हुए पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह जी।

म.प्र. के महामहीम राज्यपाल राम नरेश यादव जी, म.प्र. विधानसभा अध्यक्ष श्री ईश्वरदास रोहाणी जी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति केदारनाथ यादव जी से पी. एच. डी. (विद्यावाचस्पति) की उपाधि प्राप्त करते हुए डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज।

96 विधायक श्री राहुल प्रकाश जी एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष विपुल कु. सिंह जी अपना दल के पदाधिकारी गण पूज्य डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज श्री से आशीर्वाद लेते हुए।

आई.ए.एस. पूर्व गृह सचिव सचिवालय लखनऊ उ.प्र. श्री मणि प्रसाद जी साथ में भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पूर्व काशी प्रांत उपाध्यक्ष बालेन्दु मणि त्रिपाठी जी के साथ पूज्य महाराज श्री।

मुख्य न्यायाधीश सिविल कोर्ट मिर्जापुर आर.पी. सिंह राणा जी एवं पेशकार श्री प्रभाकर उपाध्याय जी के साथ डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज।

उद्घाटन समारोह के शुभ अवसर पर कथा पंडाल एवं महाविद्यालय

महाविद्यालय उद्घाटन समारोह के शुभ अवसर पर मंचासीन पूज्य संत वृन्द

महाविद्यालय उद्घाटन समारोह के शुभ अवसर पर मंचासिन प्रयागराज हाई कोर्ट के जस्टिस श्री विवेक सिंह जी धर्मपत्नि सहित पूज्य महाराज श्री के साथ।

म.प्र. पुलिस प्रशासन द्वारा सम्मान प्राप्त करते हुए डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज।

डॉ. स्वामी राधे चैतन्य महाविद्यालय का निरीक्षण करते हुए संस्थापक/अध्यक्ष डॉ स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज के साथ क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. ज्ञान प्रकाश जी वाराणसी, प्रोफेसर डॉ. दीपक कुमार, प्रोफेसर अनीता सिंह जी, प्रोफेसर डॉ. भारती रस्तोगी जी, सचिव रजनीश उपाध्याय जी, कोषाध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय, एड. सुनील कुमार पाण्डेय (उच्च न्यायालय प्रयागराज)।

व्यास पीठ पर मंचासीन पूज्य जगत्गुरू जी का पूजन करते हुये डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज ,स्वामी रंजीतानंद जी, आचार्य तेजमणि शास्त्री जी, आचार्य अनुपदेव जी, आचार्य कृपाशंकर पाण्डेय जी, आचार्य धीरज जी, विधायक राहुल प्रकाश जी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विपुल सिंह जी।

म.प्र. पूर्व भाजपा अध्यक्ष सांसद राकेश सिंह जी, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री शरद जैन, पूर्व मंत्री अंचल सोनकर जी, विधायक अशोक रोहाणी जी, पूर्व पार्षद मनीष दुबे जी, पूर्व पार्षद रिंकू ब्रिज जी, पूर्व सरपंच पन्नालाल बर्मन जी पूज्य डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज श्री से आर्शीवाद लेते हुए।

卐 ।। जय श्री राधे ।। 卐

अंतर्राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पीठाधीश्वर महंत

डॉ. स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज

श्री कालीधाम, कालीघाट, ग्वारीघाट, जबलपुर (म.प्र.) भारत

डॉ. स्वामी राधे चैतन्य मानव सेवा संस्थान लोहंदी महावीर कॉलोनी मिर्जापुर (उ.प्र.)

डॉ. स्वामी राधे चैतन्य महाविद्यालय बिलरा पटेहरा, रतेह चौराहा, हलिया, लालगंज मिर्जापुर (उ.प्र.)

Dr. Swami Radhe Chaitanya Ji Maharaj
Email: swamiradhechaitanya@gmail.com
www.radhechaitanya.com
Mo: 9826502690